संपादकीय

ब्राजील के 'ट्रंप' हैं जेयर

ब्राजील में राष्ट्रपति चुने गये दक्षिणपंथी रुझान के नेता जेयर बोलसोनारो के बोल खासे विवादित रहे हैं। समाजवाद विरोधी और सेना के धुर समर्थक जेयर अपने बड़बोले और भड़काऊ बयाने के लिए जाने जाते हैं। गर्भपात और समलैंगिकता के घोर विरोधी बोलसोनारो के महिला विरोधी बयानों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया भी ब्राजील में हुई थी। वर्कर्स पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति इनेसिओ लुला डी सिल्वा की भ्रष्टाचार में गिरफ्तारी ने बोलसोनारो की राह आसान की। उन्होंने देश की कानून व्यवस्था को मुद्दा बनाया। चुनाव अभियान के दौरान उन पर हुए हमले के बाद उन्हें आपरेशन के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने इसे अपने चुनाव-अभियान के एजेंडे के रूप में प्रचारित किया। इसके बाद उनका सारा चुनाव अभियान सोशल मीडिया के जरिये चला और उन्होंने चुनाव जीता भी।

दरअसल, बोलसोनारो पूर्व आर्मी चीफ रहे हैं। उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत भी एक आर्मी यूनियन के नेता के रूप में होती है। वर्ष 1955 में साउ पाउलो के कैंपिनास शहर में जन्मे बोलसोनारो ने कालांतर नेग्रास सैन्य अकादमी से स्नातक किया। वे ब्राजील की तमाम समस्याओं का समाधान सैन्य व्यवस्था में देखते हैं। नब्बे के दशक में सेना के वेतनमान बढ़ाने की बाबत लिखे लेख के चलते उन्हें गिरफ्तार किया गया था। वर्ष 1990 में वे कांग्रेस के सदस्य चुने गए। रंगीले मिजाज के बोलसोनारो ने तीन विवाह किये। उन्हें समलैंगिक रिश्तों के मुखर विरोधी के रूप में जाना जाता है।

दरअसल, ब्राजील में सेना की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में खासी दखल रही है। वर्ष 1964 से 1985 के मध्य सैन्य शासन ब्राजील के लोगों ने देखा था। वास्तव में अब तक ब्राजील की राजनीति में सेना की भूमिका निभाने की दबी हुई कोशिश होती रही है। ब्राजील की सामाजिक संरचना पर नजर डालें तो बहुसंख्यक आबादी अफ्रीकी मूल की है, साठ फीसदी आबादी अफ्रीकी मूल व मिश्रित जातियों की हैं। उसके विपरीत सत्ता पर हमेशा गोरे लोगों का कब्जा रहा है जो सेना व दक्षिणपंथी रुझान से दबदबा बनाये रखना चाहते हैं। सेना के मुखर पक्षधर जेयर बोलसोनारो की कैबिनेट में यदि सेना के सेवानिवृत्त अधिकारियों का दबदबा हो जाए तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। वे सदा सेना की तानाशाही को महान साबित करने में जुटे रहते हैं।

चुनावों में सफलता के लिए बोलसोनारो ने हर दमखम अपनाया। उन्होंने रोजगार व शिक्षा की बात करके युवाओं को लुभाया। नये मतदाताओं को निशाना बनाया। दूसरी ओर मुक्त बाजार का मुखर समर्थन करके उन्होंने जो आर्थिक नीतियों का खाका प्रस्तुत किया, उसे बिजनेस जगत ने हाथोंहाथ लिया। यही वजह है कि चुनाव पूर्व से सर्वेक्षणों के रुझान ने बाजार में तेजी का ट्रेंड देखा गया। वहीं समाजवादी पार्टी के नेता फर्नांडो के भ्रष्टाचार के आरोपों ने उनका कद बढ़ाया।

यह तय है कि बोलसोनारो सामाजवादी लोकतंत्र को अब दक्षिणपंथी लोकतंत्र की ओर ले जा रहे हैं। उनके सामने सामाजिक असंतोष को पाटना बड़ी चुनौती है। बीते वर्षों में ब्राजील में अपराधों का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। भ्रष्टाचार के चलते देश की अर्थव्यवस्था तेजी से चरमराई है, जिसका मुकाबला बोलसोनारो को करना है।सेना के पूर्व प्रमुख और कंजरवेटिव सोशल लिबरल पार्टी से आने वाले जेयर बोलसोनारो के समक्ष तमाम बड़ी चुनौतियां हैं। चुनौतियों से जूझने का उनका जो आक्रामक अंदाज है, उससे लगता है कि वे भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरह से ही ब्राजील में उथल-पुथल मचाने वाले हैं। स्थापित समाजवादी परंपराओं की चूले हिलाने वाले हैं। दुनिया के एक बड़े लोकतंत्र ब्राजील में उन्हें मीडिया के जानकार 'ट्रंप ऑफ ट्रॉपिक्स' अर्थात ब्राजील का ट्रंप कह रहे हैं। उनके चुनाव प्रचार और सोशल मीडिया के बेहतर इस्तेमाल की तुलना डोनाल्ड ट्रंप के चुनावी हथकंडों से की जाती रही है। कुछ लोग उनके दक्षिणपंथी रुझान और सैन्य नीतियों के प्रबल पक्षधर होने के कारण उन्हें ब्राजील का हिटलर बताते हैं। इसकी वजह यह भी है कि वे सेना के हितों की रक्षा करना अपना प्राथमिक आधार बताते हैं।ऐसा भी नहीं है कि ब्राजील में उनका विरोध नहीं है। उनके महिला अस्मिता के खिलाफ दिये बयानों का मुखर विरोध हुआ। जब उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए अपनी दावेदारी प्रस्तुत की तो उनके खिलाफ तमाम विरोधी रैलिया निकाली गई। उनके विचारों से असहमत होने वालों का एक बड़ा वर्ग भी है जो खासकर उनके सेना समर्थक विचारों और गर्भपात समलैंगिक का मुखर विरोध करने की नीतियों का विरोध करता है।

मुक्केबाजी चैंपियनशिप में छा गई भारतीय सेना, जीते 8 गोल्ड

गत चैम्पियन मनीष कौशिक (60 किग्रा) ने शुक्रवार को एआईएस रिंग में समाप्त हुई सीनियर पुरूष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में लगातार दूसरा गोल्ड मेडल अपने नाम किया जबकि विश्व मेडलधारी गौरव बिधुड़ी (56 किग्रा) ने सिल्वर मेडल हासिल किया. सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) ने फाइनल में दबदबा बनाया, जिसमें उनके फाइनल में पहुंचे सभी आठ मुक्केबाजों ने गोल्ड मेडल जीते. गत चैम्पियन रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) ने बचे हुए दो गोल्ड मेडल हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहा. राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पारंपरिक रूप से मजबूत हरियाणा का दबदबा रहता है लेकिन इस बार टीम एक भी सोने का तमगा हासिल नहीं कर पाई. राष्ट्रमंडल खेलों के सिल्वर मेडलधारी मनीष (एसएससीबी) ने उलनबटेर कप के गोल्ड मेडलधारी अंकुश दहिया (आरएसपीबी) को

शिकस्त

दस गोल्ड थे दांव पर

अंतिम दिन 10 गोल्ड मेडल दांव पर थे जिसमें से सर्विसेस के मुक्केबाजों ने आठ अपने नाम किए. रेलवे को दो गोल्ड मेडल मिले. रेलवे के हिस्से दो रजत और दो कांस्य मेडल भी आए. वह मेडल तालिका में दूसरे स्थान पर रही. मुक्केबाजी का गढ़ माना जाने वाला राज्य हरियाणा पांचवें स्थान पर रहा

64 किलो में रोहित टोकस ने जीता गोल्ड

हालांकि विश्व चैंपियनशिप के कांस्य मेडलधारी बिधुड़ी (आरएसपीबी) बैंथमवेट फाइनल में पूर्व चैम्पियन मदन लाल (एसएससीबी) से हारकर दूसरे स्थान पर रहे. रेलवे ने 64 किग्रा वर्ग में रोहित टोकस की बदौलत गोल्ड मेडल हासिल किया. किंग्स कप के कांस्य मेडल विजेता रोहित ने फाइनल में उत्तर प्रदेश के अभिषेक यादव को पराजित किया. इंडिया ओपन के गोल्ड मेडलधारी संजीत ने एसएससीबी के दबदबे को जारी रखते हुए 91 किग्रा वर्ग में अपनी पहली ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल किया.

संजीत ने हरियाणा के प्रवीण कुमार को हराकर पहला स्थान प्राप्त किया. राष्ट्रमंडल खेलों के सिल्वर मेडलधारी और इस साल अर्जुन पुरस्कार से नवाजे गए सतीश कुमार (91 किग्रा से अधिक) ने भी सोने का मेडल जीतकर एसएससीबी की तालिका में इजाफा किया. उन्होंने फाइनल में आरएसपीबी के जसवीर सिंह को मात सेना का रहा दबदबा

वहीं 81 किग्रा वर्ग में मनीष पंवार (आरएसपीबी) राजस्थान के ब्रिजेश यादव को हराकर चैम्पियन बने. सेना के लिए अन्य गोल्ड मेडल दीपक (49 किग्रा), पी एल प्रसाद (52 किग्रा), दुर्योधन सिंह नेगी (69 किग्रा) और मंजीत सिंह (75 किग्रा) ने हासिल किए. लाइट फ्लाइ कैटेगरी में सर्विसेस के दीपक ने पंजाब के हिमांशु शारा को 5-0 से मात दी. वहीं पी.एस प्रसाद ने महाराष्ट्र के अनंत चोपाडे को बैंटम कैटेगरी में 3-2 से हराया. दुर्योधन सिंह नेगी ने 69 किलोग्राम भारवर्ग में रेलवे के दिनेश को 5-0 से मात दी. मनजीत सिंह ने 75 किलोग्राम भारवर्ग में रेलवे के ही प्रयाग चौहान को 4-1 से हराया.

विराट के जन्मदिन को स्पेशल बनाने के लिए-अनुष्का ने की स्पेशल तैयारी

टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली 5 नवंबर को अपना 31वां जन्मदिन सेलिब्रेट करेंगे. बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा से शादी के बाद विराट कोहली का यह पहला जन्मदिन है. इस जन्मदिन को स्पेशल बनाने के लिए विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने कुछ स्पेशल तैयारी की है. विराट का 30 जन्मदिन मुंबई से बाहर सेलिब्रेट करने का प्लान है, शायद इसीलिए दो दिन पहले विराट और अनुष्का मुंबई से बाहर जा रहे हैं.

दरअसल, सोशल मीडिया पर विराट कोहली और अनुष्का शर्मा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. यह तस्वीरें मुंबई एयरपोर्ट की हैं. इसका मतलब साफ है कि विराट और अनुष्का जन्मदिन को सेलिब्रेट करने के लिए एक वेकेशन के लिए मुंबई से बाहर जा रहे हैं. बता दें कि 4 नवंबर से भारत और वेस्टइंडीज के बीच 3 मैचों की टी-20 सीरीज हो रही है. इस टी-20 सीरीज के लिए विराट कोहली को आराम दिया गया है. विराट की गैरमौजूदगी में रोहित शर्मा टीम की कमान संभालेंगे. ऑस्ट्रेलिया दौरा 21 नवंबर से शुरू होना है. इससे पहले विराट कोहली, अनुष्का शर्मा के साथ अपना जन्मदिन कुछ स्पेशल अंदाज में सेलिब्रेट करना चाहते हैं. इसलिए विराट कोहली और अनुष्का शर्मा बर्थडे सेलिब्रेट करने के लिए मुंबई से बाहर चले गए हैं.

सोशल मीडिया पर विराट कोहली और अनुष्का शर्मा की तस्वीरें वायरल हो रही हैं. ये तस्वीरें मुंबई एयरपोर्ट की हैं. इन तस्वीरों के वायरल होने के बाद ही इस बात का अंदाजा लगाया जा रहा है कि विराट कोहली के जन्मदिन को स्पेशल बनाने के लिए यह कपल वेकेशन पर निकल गया है.बता दें कि 30 साल की उम्र में ही विराट कोहली ने क्रिकेट के लगभग सभी रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं. नके लिए कहा जा रहा है कि एक वह ही ऐसे खिलाड़ी हैं जो सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड्स की बराबरी कर सकते हैं या उन्हें तोड़ सकते हैं. 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद से ही कोहली ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. आज वो क्रिकेट के हर फॉर्मेट के बेहतरीन खिलाड़ी बन चुके हैं.

धनतेरस पर सोने की शुद्धता को इस तरह समझ

जब आभूषण खरीदे या बेचे जाते हैं, तब कीमत की गणना करने से पहले शुद्धता का ही विश्लेषण किया जाता है। सोने का मूल्य उसकी शुद्धता से निर्धारित होता है, जिसे कैरेट में मापा जाता है।बराबर वजन के दो टुकड़ों को कैरेट के आधार पर ही अलग-अलग मूल्य दिया जाता है। सोने का शुद्ध रूप 24 कैरेट (99.99 प्रतिशत) होता है। हालांकि, 24 कैरेट सोना नरम होता है और उसका आकार बिगड़ सकता है। मजबूती और डिजायनिंग के लिए उसमें अन्य धातुओं को मिश्रित किया जाता है।इससे सुंदर डिजाइन तैयार करने में मदद मिलती है। कैरेट जितना अधिक होगा, सोने का आभूषण उतना ही महंगा होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि उच्च कैरेट

का मतलब है कि आभूषण में सोना अधिक है और अन्य धातुएं कम। सोने की शुद्धता के बारे में कुछ अन्य बुनियादी चीजों को समझने के लिए यहां एक सरल गाइड पेश है।

मेलोरा के मर्चेंडाइजिंग एंड ऑपरेशंस हेड सुलभ अग्रवाल सोने की शुद्धता के बारे में बता रहे हैं, ताकि धनतेरस पर आपको सोना खरीदने में आसानी हो सके। 24 कैरेट सोना यह शुद्ध सोना है और संकेत देता है कि सभी 24 भाग शुद्ध हैं और इसमें अन्य धातुएं नहीं मिली हैं। इसका रंग स्पष्ट रूप से उज?जवल पीला होता है और यह अन्य किस्मों की तुलना में अधिक महंगा होता है। ज्यादातर, लोग इतने कैरेट के सोने को सिक्कों या बार के रूप में खरीदना पसंद करते हैं। 22 कैरेट सोना इसका तात्पर्य है

सबसे ऊँचे सरदार

सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का उनकी जयंती (31 अक्टूबर) पर उद्घाटन किया जाएगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में इसका उद्घाटन होगा. यह दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति है और यह अमेरिका की की स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दोगुनी है। यह प्रतिमा गुजरात में नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर बांध से 3.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. इस मूर्ति की लंबाई 182 मीटर है और यह इतनी बड़ी है कि इसे 7 किलोमीटर की दूरी से भी देखा जा सकता है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का कुल वजन 1700 टन है. इसके पैर की ऊंचाई 80 फीट, हाथ की ऊंचाई 70 फीट, कंधे की ऊंचाई 140 फिट और चेहरे की ऊंचाई 70 फिट है. इस मूर्ति का निर्माण राम वी. सुतार की देखरेख में हुआ है. अब सुतार शिवाजी की मूर्ति की डिजाइन कर रहे हैं। सरदार पटेल की इस मूर्ति को बनाने में करीब 3 हजार करोड़ रुपये का खर्च आया. इस स्मारक की आधारशिला 31 अक्टूबर, 2013 को पटेल की 138वीं वर्षगांठ के मौके पर रखी गई थी, जब पीएम नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे. इसके लिए

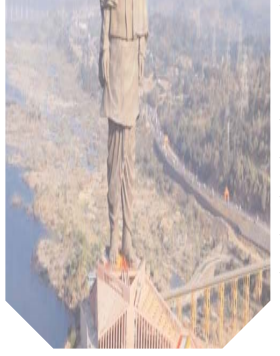

बीजेपी ने पूरे देश में लोहा इकट्ठा करने का अभियान भी चलाया गया। इंजीनियर्स ने इस मूर्ति के कंस्ट्रक्शन को चार चरणों में पूरा किया गया है.

(1)मॉक-अप, (2)3डी (3)स्कैनिंग तकनीक, (4)कंप्यूटर न्यूमैरिकल कंट्रोल प्रोडक्शन तकनीक. वहीं मूर्ति के नीचे के हिस्से को ऊपर के हिस्से की तुलना में थोड़ा पतला किया गया है. मूर्ति के निर्माण में सबसे बड़ी चुनौती इसे भूकंप और अन्य आपदा से बचाव करना था। आपको बता दें, यह स्टैच्यू 180 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली हवा में भी स्थिर खड़ा रहेगा. यह 6.5 तीव्रता के भूकंप को भी सह सकता है. इस मूर्ति के निर्माण में भारतीय मजदूरों के साथ 200 चीन के कर्मचारियों ने भी हाथ बंटाया है. इन लोगों ने सितंबर 2017 से ही दो से तीन महीनों तक अलग-अलग बैचों में काम किया। आपको बता दें, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के ऊपर जाने के लिए लिफ्ट लगेगी.5700 मीट्रिक टन स्ट्रक्चरल स्टील और 18500 मीट्रिक टन रिइनफोर्समेंट बार्स से बनी इस मूर्ति में लेजर लाइटिंग लगेगी, जो इसकी रौनक हमेशा बनाए रखेगी. इस मूर्ति तक आपको नांव के जरिए पहुंचना होगा.

आज का राशिफल

मेष: शारीरिक मानसिक अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। परिश्रम की अपेक्षा कम सफलता मिल सकती है।

वृषभ: पिता या पैतृक संपत्ति से लाभ होगा। सरकार से अथवा उनके साथ के आर्थिक व्यवहार से लाभ होगा।

मिथुन: नई योजनाओं को अमल में लाने के लिए शुभ दिन है। नौकरीपेशा वालों को अधिकारियों तथा सरकार की ओर से लाभ मिलेगा।

कर्क: सेहत का ध्यान रखिएगा, आंखों में तकलीफ हो सकती है। परिवार के सदस्यों के साथ मनमुटाव हो सकता है। काम के सम्बंध में संतोष की भावना जगेगी।

सिंह: आज आपकी निर्णय क्षमता अच्छी रहेगी। पिता तथा बुजुर्गों से सहयोग मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपके स्वभाव में क्रोध और व्यवहार में उग्रता रहेगी जिस पर नियंत्रण रखना होगा।

कन्या: अपने अहं पर काबू रखें नहीं तो वाद-विवाद हो सकता है। शारीरिक और मानसिक चिंता के साथ आज का दिन व्यतीत होगा। आकस्मिक धन खर्च होगा। **तुला:** गृहस्थ जीवन में सुख और आनंद की प्राप्ति होगी। आय में वृद्धि का योग है। **वृश्चिक:** आपके कार्य सफलता पूर्वक पूरे होंगे। गृहस्थजीवन में आनंद और संतोष अनुभव होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। समाज में मान-सम्मानमिलेगा।

धनु: शरीर में थकान, ऊबन और बेचैनी रह सकती है। स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा। मन चिंता से व्याकुल रह सकता है। भाग्य साथ न देता हुआ प्रतीत होगा।

मकर: नकारात्मक विचारों से आज दूर रहें।

कुंभ: कुटुंबीजनों और मित्रों के साथ कहीं भोजन का अवसर आएगा। उत्तम वस्त्राभूषण और वाहन प्राप्ति का योग है। साझेदारों के साथ

आलू भटूरा

सामग्री :-250 ग्राम मैदा, स्वादानुसार नमक, 1/2 चम्मच चीनी, 2 चम्मच तेल, 2 कप फेंटा हुआ दही, 50 ग्राम सूजी।

भरावन की सामग्री :- 4 आलू उबले और मसले हुए, 1 कप हरी धनिया कटी हुई, 3-4 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, स्वादानुसार नमक व लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच चाट मसाला, तलने के लिए तेल।

विधि :- 1. मैदे में सूजी नमक, चीनी और तेल मिलाकर दही से गूथकर दो घंटे के लिए ढककर अलग रख दें।

2. आलू में भरावन की सारी सामग्री मिलाकर एकसार कर लें।

3. मैदे की लोई बनाकर उसमें भरावन मिश्रण भरकर हाथ से थपथपाकर या बेलन से बेलकर पहले से गर्म तेल में सुनहरा तल लें। गरमागरम भटूरे प्याज, हरी मिर्च और छोले के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-77

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

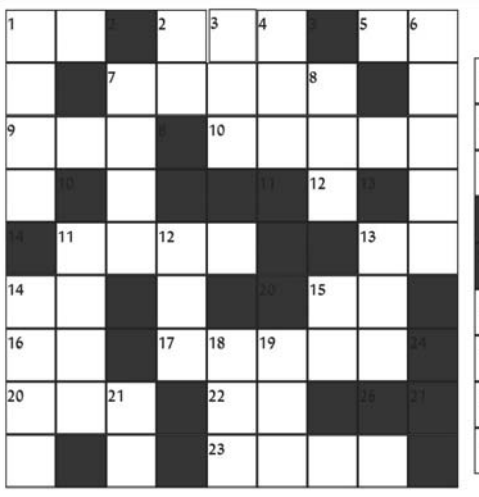

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 77 का हल

ग	ल	त	ज्ञ	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	■	रं	■	■	मि
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
■	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	■	प	■	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	■
ची	■	■	प	■	पा	■	■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

सू-दोकू-77

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.77 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6